चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	29-5-24	2	7-8

The Tribune

HAU gets design rights for cattle feeding trolley

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, MAY 28

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, has received the design rights for 'Motile Cattle Feeding Trolley'. The product was given registration number 371981-001 in the design certificate issued by the Indian Patent Office.

'Motile Cattle Feeding Trolley' was designed by research scholar Khushboo under the supervision of director of Human Resource Management Manju Mehta.

Vice-Chancellor BR Kamboj congratulated them for the achievement.

The trolley can easily lift feed as it is equipped with a wheel. Fodder can also be easily transported from one place to another due to its tyres. Handles have been provided in the trolley, which makes it easy to grip and reduces hand fatigue.

By using this trolley, a person saves time and energy. People get rid of neck, back, arm and knee pains and it can be used for feeding water and fodder to animals.

Research scholar Khushboo with the Vice-Chancellor and others at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University in Hisar.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30-5-24	2	3-6

• कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री की 37वीं पुण्यतिथि पर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

किसानों व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे भारत रत्न चौधरी चरण सिंह : वीसी

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की 37वीं पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

प्रो. काम्बोज ने चौधरी चरण सिंह को याद करते हुए कहा कि वे किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। इसलिए उन्हें किसानों का मसीहा कहा गया है। वे कृषि अर्थव्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले उच्च कोटि के विद्वान, लेखक एवं अर्थशास्त्री थे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

चौ. चरण सिंह किसानों के दिलों में बसते थे और वे कहा करते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों एवं खलिहानों से होकर गुजरता है। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुरूप देश के कृषि विकास एवं किसानों के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है।

किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह का जन्म उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर गांव में 23 दिसम्बर 1902 को हुआ था। ग्रामीण परिवेश में एक गरीब परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली भांति समझते थे। वे कहा करते थे कि किसानों की दशा सुधरेगी तो देश सुधरेगा। वे 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक देश के प्रधानमंत्री के पद पर कार्यरत रहे। भारत सरकार द्वारा उन्हें वर्ष 2024 में भारत रत्न से भी सम्मानित किया जा चुका है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों, अधिष्ठाताओं, निदेशकों, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों और कर्मचारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	30.5.24	2	4-6

किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे भारत रत्न चौधरी चरण सिंह : प्रो. काम्बोज

पूर्व प्रधानमंत्री की 37वीं पुण्यतिथि पर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

हिसार, 29 मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की 37 वीं पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

प्रो. काम्बोज ने चौधरी चरण सिंह को याद करते हुए कहा कि वे किसान व कमेरा वर्ग के सगो हितैषी थे। इसलिए उन्हें किसानों का मसीहा कहा गया है। वे कृषि अर्थव्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले उच्च कोटि के विद्वान, लेखक एवं अर्थशास्त्री थे। चौधरी चरण सिंह किसानों के दिलों में बसते थे और वे कहा करते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों एवं खलिहानों से होकर गुजरता है। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके

चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुरूप देश के कृषि विकास एवं किसानों के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। यदि हम चौधरी चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश तथा गरीब किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। ज्ञात रहे कि 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक देश के प्रधानमंत्री के पद पर कार्यरत रहे। भारत सरकार द्वारा उन्हें वर्ष 2024 में भारत रत्न से भी सम्मानित किया जा चुका है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	30-5-24	9	1-4

पुण्यतिथि पर पूर्व प्रधानमंत्री को किया याद

किसानों के सच्चे हितैषी थे चरण सिंह

'हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार'

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की 37वीं पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने चौ. चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

प्रो. काम्बोज ने चौधरी चरण सिंह को याद करते हुए कहा कि वे किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। इसलिए उन्हें किसानों का मसीहा कहा गया है। वे कृषि अर्थव्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले उच्च कोटि के विद्वान, लेखक एवं अर्थशास्त्री थे। चौधरी चरण सिंह किसानों के दिलों में बसते थे और वे कहा करते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों एवं खलिहानों से होकर गुजरता है। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुरूप देश के कृषि विकास एवं किसानों के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। यदि हम चौधरी चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश तथा गरीब किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

हिसार। चौ. चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज।

किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह का जन्म उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर गांव में 23 दिसम्बर 1902 को हुआ था। ग्रामीण परिवेश में एक गरीब परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली भांति समझते थे। वे कहा करते थे कि किसानों की दशा सुधरेगी तो देश सुधरेगा। इसलिए वे जीवनपर्यन्त किसानों व कमेरा वर्ग के हित में कार्य करते हुए उनके उत्थान के लिए संघर्षशील रहे। इसलिए उन्होंने किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री व प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने देश के किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का निर्माण कर उन्हे क्रियान्वित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों, अधिष्ठाताओं, निदेशकों, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने श्रद्धांजलि दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	30.5.24	5	5 8

किसानों व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे भारत रत्न चौधरी चरण सिंह : प्रो. काम्बोज

पूर्व प्रधानमंत्री की 37वीं पुण्यतिथि पर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

हिसार, 29 मई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की 37वीं पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। प्रो. काम्बोज ने चौधरी चरण सिंह को याद करते हुए कहा कि वे किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। इसलिए उन्हें किसानों का मसीहा कहा गया है। वे कृषि अर्थव्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले उच्च कोटि के विद्वान, लेखक एवं अर्थशास्त्री थे। चौधरी चरण सिंह किसानों के दिलों में बसते थे और वे कहा करते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों एवं खलिहानों से होकर गुजरता है। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुरूप देश के कृषि विकास एवं किसानों के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। यदि हम चौधरी चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश तथा गरीब किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह का जन्म उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर गांव में 23 दिसम्बर 1902 को हुआ था। ग्रामीण परिवेश में एक गरीब परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली भांति समझते थे। वे कहा करते थे कि किसानों की दशा सुधरेगी तो देश सुधरेगा। इसलिए वे जीवनपर्यन्त किसानों व कमेरा वर्ग के हित में कार्य करते हुए उनके उत्थान के लिए संघर्षशील रहे। इसलिए उन्होंने किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री व प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने देश के किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का निर्माण कर उन्हे क्रियान्वित किया। वे 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक देश के प्रधानमंत्री के पद पर कार्यरत रहे। भारत सरकार द्वारा उन्हें वर्ष 2024 में भारत रत्न से भी सम्मानित किया जा चुका है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों, अधिष्ठाताओं, निदेशकों, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	30.5.24		

पूर्व प्रधानमंत्री को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित

किसानों के सच्चे हितैषी थे चौधरी चरण सिंह : काम्बोज

हिसार, 29 मई (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह को 37वीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

प्रो. काम्बोज ने चौधरी चरण सिंह को याद करते हुए कहा कि वह किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। वह किसानों के दिल में बसते थे और कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों एवं खलिहानों से होकर गुजरता है। कुलपति ने कहा कि यदि हम चौधरी चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश तथा गरीब किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। विश्वविद्यालय के अधिकारियों, अधिष्ठाताओं, निदेशकों, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

बहादुरगढ़ (निस) : पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह किसान-मजदूरों के सच्चे हितैषी थे। यह बात भारतीय किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष सतीश छिकारा व किसानों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए कही। सतीश छिकारा ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है। देश के किसान ही देश के अन्नदाता हैं लेकिन उनकी सुविधाओं की सुध लेने वाले राजनेता बहुत कम हुए। एक चौधरी चरण सिंह ही हैं जिन्हें हर पीढ़ी का किसान याद करता है। सतीश छिकारा ने कहा कि चौधरी चरण सिंह का मानना था कि देश का भला तब तक नहीं हो सकता जब तक गांवों का विकास न किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि हम चौधरी चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश तथा किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर मास्टर पुरुषोत्तम छिकारा, राम सिंह, विजय दिनोदिया, राकेश, अशोक, सुरेन्द्र, सौरभ, सोनू, कुलदीप जांगड़ा, अमित, कपिल, मिकी, जय भगवान आदि मौजूद रहे।

हिसार में बुधवार को हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने के अवसर पर।-हप्र

भिवानी (हप्र) : चौधरी चरण सिंह भारत के किसान राजनेता एवं पांचवें प्रधानमंत्री थे। उन्होंने यह पद 28 जुलाई, 1979 से 14 जनवरी 1980 तक संभाला। चौधरी चरण सिंह ने अपना संपूर्ण जीवन भारतीयता और ग्रामीण परिवेश की मर्यादा में जिया। स्वाधीनता के समय उन्होंने राजनीति में प्रवेश किया। इस दौरान उन्होंने बरेली की जेल से दो डायरी रूपी किताब भी लिखी। यह बात युवा कल्याण संगठन के संस्थापक कमल सिंह प्रधान ने स्थानीय विद्यानगर में चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कही। कमल सिंह प्रधान ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की आज पुण्यतिथि है। स्वतंत्रता के पश्चात वह राम मनोहर लोहिया के ग्रामीण सुधार आंदोलन में लग गए। उनसे जुड़ा एक मशहूर किस्सा है, जब एक थाने में उनसे पुलिसकर्मियों ने 35 रुपए की रिश्वत मांगी थी और फिर पूरा थाना सस्पेंड हो गया। इस अवसर पर जितेन्द्र भोलू, देशमुख दादरवाल, मुकेश शर्मा ढाणी माहु, सुमित भट्ट, उमेश, राजकुमार, राजू साउंड वाला, नमन शर्मा, गिरवर सिंह राठौड़, मामन वाल्मीकि, बालू मैदा वाला, जयबीर लोहानी, विरेन्द्र टीटाणी, राजेश कुसुंभी, दलबीर लेघां, जयपाल तंवर, सुरेश शिमली, शमशेर कैरू, मुख्तयार खापड़वास, नसीब सुंगरपुर आदि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	30.5.24	5	2-3

किसानों व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे भारत रत्न चौधरी चरण सिंह : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की 37वीं पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। प्रो. काम्बोज ने चौधरी चरण सिंह को याद करते हुए कहा कि वे किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। इसलिए उन्हे किसानों का मसीहा कहा गया है। वे कृषि अर्थव्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले उच्च कोटि के विद्वान, लेखक एवं अर्थशास्त्री थे। चौधरी चरण सिंह किसानों के दिलों में बसते थे और वे कहा करते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों एवं खलिहानों से होकर गुजरता है। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुरूप देश के कृषि विकास एवं किसानों के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	30.5.24	3	3-4

'कृषि अर्थव्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले उच्च कोटि के विद्वान थे चौधरी चरण सिंह'

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की 37वीं पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

प्रो. कांबोज ने चौधरी चरण सिंह को याद करते हुए कहा कि वे किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। इसलिए उन्हें किसानों का मसीहा कहा गया है। वे कृषि अर्थव्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले उच्च कोटि के विद्वान, लेखक एवं अर्थशास्त्री थे। यदि हम चौधरी चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश व गरीब किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर

एचएयू में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के सामने नमन करते कुलपति। स्रोत : संस्थान

विश्वविद्यालय के अधिकारियों, अधिष्ठाताओं, निदेशकों, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	29.05.2024	--	--

किसानों व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे चौधरी चरण सिंह : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की 37वीं पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

प्रो. काम्बोज ने चौधरी चरण सिंह को याद करते हुए कहा कि वे किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। इसलिए उन्हें किसानों का मसीहा कहा गया है। वे कृषि अर्थव्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले उच्च कोटि के विद्वान, लेखक एवं अर्थशास्त्री थे। चौधरी चरण सिंह किसानों के दिलों में बसते थे और वे कहा करते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों एवं खलिहानों से होकर गुजरता है। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुरूप देश के कृषि विकास एवं किसानों के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। यदि हम चौधरी चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश तथा गरीब किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह का जन्म उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर गांव में 23 दिसम्बर 1902 को हुआ था। ग्रामीण परिवेश में एक गरीब परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली भांति समझते थे। वे कहा करते थे कि किसानों की दशा सुधरेगी तो देश सुधरेगा। इसलिए वे जीवनपर्यन्त किसानों व कमेरा वर्ग के हित में कार्य करते हुए उनके उत्थान के लिए संघर्षशील रहे। इसलिए उन्होंने किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री व प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने देश के किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का निर्माण कर उन्हे क्रियान्वित किया। वे 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक देश के प्रधानमंत्री के पद पर कार्यरत रहे। भारत सरकार द्वारा उन्हें वर्ष 2024 में भारत रत्न से भी सम्मानित किया जा चुका है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों, अधिष्ठाताओं, निदेशकों, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	29.05.2024	--	--

किसानों व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे भारत रत्न चौधरी चरण सिंह : प्रो. बी. आर. काम्बोज

पूर्व प्रधानमंत्री की 37वीं पुण्यतिथि पर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 29 मई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की 37वीं पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

प्रो. काम्बोज ने चौधरी चरण सिंह को याद करते हुए कहा कि वे किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। इसलिए उन्हें किसानों का मसीहा कहा गया है। वे कृषि अर्थव्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले उच्च कोटि के विद्वान, लेखक एवं अर्थशास्त्री थे। चौधरी चरण सिंह किसानों के दिलों में बसते थे और वे कहा करते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों एवं खलिहानों से होकर गुजरता है। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुरूप देश के कृषि विकास एवं किसानों के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। यदि हम चौधरी चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश तथा गरीब किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह का जन्म उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर गांव में 23 दिसम्बर 1902 को हुआ था। ग्रामीण परिवेश में एक गरीब परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों को समस्याओं को भली भांति समझते थे। वे कहा करते थे कि किसानों की दशा सुधरेगी तो देश सुधरेगा। इसलिए वे जीवनपर्यन्त किसानों व कमेरा वर्ग के हित में कार्य करते हुए उनके उत्थान के लिए संघर्षशील रहे। इसलिए उन्होंने किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री व प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने देश के किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का निर्माण कर उन्हे क्रियान्वित किया। वे 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक देश के प्रधानमंत्री के पद पर कार्यरत रहे। भारत सरकार द्वारा उन्हें वर्ष 2024 में भारत रत्न से भी सम्मानित किया जा चुका है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों, अधिष्ठाताओं, निदेशकों, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	30.5.24		

दैनिक भास्कर

भास्कर खास • गर्मी में लोबिया व सर्दी में बरसीम भी उगा सकते हैं हाथी घास के साथ

संकर हाथी घास बारहमासी चारा फसल, प्रति एकड़ 600-700 क्विंटल पैदावार, खेत की मेड़ पर भी कर सकते हैं बिजाई

यशपाल सिंह | हिसार

पर्याप्त मात्रा में हरे चारे, सूखे चारे का अभाव पशु की उत्पादकता को सीधा प्रभावित करता है। संकर हाथी घास जैसी बहु-कटाई वाली बारहमासी चारा फसल से मार्च से अक्टूबर तक हरा चारा मिल सकता है। साथ ही मुख्य फसल के अलावा संकर हाथी घास की लाइनों के बीच में गर्मियों में लोबिया व सर्दियों में बरसीम उगा सकते हैं। इसे खेतों की मेड़ों पर भी लगा सकते हैं। हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि यह फसल एक वर्ष में प्रति एकड़ 600-700 क्विंटल पैदावार देती है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि नेपियर-बाजरा हाइब्रिड की उन्नत किस्में एनबीएच 21, पीबीएन 233 व आईजीएफआरआई-10 हैं। एक बार लगाने के बाद यह घास 3 से 5 वर्ष तक हरा चारा दे सकती है। कम वर्षा वाले क्षेत्रों में सिंचाई की आवश्यकता होती है। यह घास बीज नहीं बनाती है। प्रति एकड़ लगभग 11 हजार रूट स्टॉक या तने की कटिंग 2-3 कलियों के साथ लगभग 50 सेमी लंबा लगाया जाता है, सेट का आधा हिस्सा हवा में रहने दिया जाता है जबकि शेष भाग मिट्टी में दबा दिया जाता है।

हकृवि फार्म में संकर हाथी घास।

पौधों में दूरी 1.5 मीटर होनी चाहिए

चारा अनुभाग के सस्य वैज्ञानिक डॉ. सतपाल ने बताया कि रोपाई के लिए तने की कटिंग को कुदाल की सहायता से 45 डिग्री के कोण पर पंक्ति से पंक्ति 75 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 60 सेमी रखकर मिट्टी में दबाना चाहिए। अंतः फसलीकरण करने के लिए लाइन से लाइन की दूरी 1.5 मीटर रखें। इसे मार्च से सितंबर तक गर्म मौसम के दौरान कभी भी रोपित किया जा सकता है।

हर बार कटाई के बाद करें गुड़ाई

प्रत्येक कटाई के बाद गुड़ाई करनी चाहिए ताकि जमीन भुरभुरी व खरपतवारों से मुक्त रहे। एक बार रोपाई के बाद यह घास 3 से 5 साल तक प्रति वर्ष 6-8 कटिंग देने में सक्षम है। रोपण के लगभग दो महीने बाद पहली कटाई व आगे की कटाईयां 45 दिन के अंतराल पर करें।